

I

५५।५३ श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय श्रीधर्मज्ञाय
वाक्विवाग्निनिर्लिङ्ग

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

य

प्रभु अरु वति स्रव यत्र ॥ नै अक ॥ नायक ॥ ॥ ओ आ व ॥ ओ का व ॥ आ व ॥ अ व ॥ अ व ॥ अ व ॥
 ॥ तो ॥ ॥ ता वि ह ॥ ॥ धा ल ॥ य ॥ अ ॥ य ॥ अ ॥ क ॥ ॥ य ॥ द ॥ अ ॥ न ॥ सि ॥ ता ॥ ना ॥ म ॥ या ॥ दी ॥ ना ॥ य ॥ का ॥ व ॥ व ॥ का ॥
 न ॥ या ॥ ल ॥ य ॥ अ ॥ र ॥ व ॥ ति ॥ ॥ त ॥ अ ॥ ग ॥ ता ॥ ॥ त ॥ अ ॥ ग ॥ ता ॥ ॥ त ॥ ॥ ॥ ता ॥ वि ॥ ह ॥ ॥ त ॥ अ ॥ ग ॥ ता ॥ ॥ त ॥ अ ॥ ग ॥ ता ॥
 ॥ य ॥ ठ ॥ ॥ ॥ य ॥ ठ ॥ वि ॥ ह ॥ ॥ य ॥ ठ ॥ ॥ ॥ त ॥ म ॥ अ ॥ म ॥ न ॥ ॥ त ॥ म ॥ अ ॥ म ॥ न ॥ ॥ त ॥ म ॥ अ ॥ म ॥ न ॥ ॥ ला ॥ य ॥ नि ॥ य ॥
 त ॥ न ॥ स ॥ म ॥ धि ॥ ॥ क ॥ न ॥ द ॥ सि ॥ रु ॥ व ॥ ति ॥ ॥ ह ॥ स ॥ ख ॥ ॥ ति ॥ ॥ ह ॥ स ॥ ख ॥ ति ॥ ॥ ह ॥ स ॥ ख ॥ ॥ ति ॥ ॥ ॥ व ॥ द ॥ ता ॥
 त ॥ ॥ य ॥ द ॥ अ ॥ न ॥ सि ॥ ता ॥ य ॥ का ॥ वा ॥ य ॥ का ॥ वा ॥ य ॥ य ॥ न ॥ म ॥ ॥ ॥ क ॥ न ॥ म ॥ अ ॥ ला ॥ य ॥ अ ॥ व ॥ ति ॥ ॥ त ॥ अ ॥ ग ॥ ॥ त ॥ ग ॥ ॥ य ॥
 ठ ॥ अ ॥ ग ॥ ॥ य ॥ ठ ॥ ग ॥ ॥ ॥ स ॥ व ॥ पु ॥ दी ॥ दी ॥ स ॥ ह ॥ ॥ स ॥ व ॥ पु ॥ म ॥ स ॥ व ॥ पु ॥ य ॥ न ॥ स ॥ ह ॥ दी ॥ दी ॥ रु ॥ व ॥ ति ॥ ॥ य ॥

डा अरु ॥ य ॥ द ॥ अ ॥ ग ॥ ॥ य ॥ द ॥ वि ॥ ॥ ॥ य ॥ द ॥ वा ॥ ॥ सा ॥ मा ॥ न ॥ ॥ सु ॥ ता ॥ न ॥ न ॥ वि ॥ ण ॥ या ॥ व ॥ ल ॥ वा ॥ न ॥ रु ॥ व ॥ ॥ य ॥
 न ॥ य ॥ पु ॥ र ॥ व ॥ धा ॥ वा ॥ य ॥ अ ॥ य ॥ ॥ ॥ द ॥ अ ॥ ग ॥ ता ॥ मि ॥ ह ॥ ॥ ॥ अ ॥ ॥ ॥ अ ॥ व ॥ पु ॥ ॥ व ॥ पु ॥ य ॥ न ॥ स ॥ ह ॥ न ॥ का ॥ वा ॥
 रु ॥ व ॥ ति ॥ ॥ त ॥ व ॥ ॥ ॥ त ॥ व ॥ द ॥ ॥ स ॥ म ॥ ॥ ॥ स ॥ म ॥ द ॥ ॥ ॥ ह ॥ ला ॥ य ॥ दी ॥ या ॥ दी ॥ ल ॥ य ॥ या ॥ व ॥ क ॥ म ॥
 ह ॥ ल ॥ ॥ ॥ ह ॥ ली ॥ या ॥ ॥ ला ॥ म ॥ ल ॥ ॥ ली ॥ या ॥ ॥ ला ॥ म ॥ ली ॥ या ॥ ॥ म ॥ न ॥ स ॥ ॥ ली ॥ या ॥ ॥ म ॥ न ॥ ॥ ॥ अ ॥ उ ॥ ॥ अ ॥ उ ॥
 ॥ य ॥ त ॥ ॥ अ ॥ उ ॥ लि ॥ ॥ य ॥ त ॥ ॥ अ ॥ लि ॥ ॥ ॥ नि ॥ व ॥ अ ॥ ॥ ॥ नि ॥ व ॥ ॥ ॥ ॥ अ ॥ उ ॥ ॥ अ ॥ व ॥ पु ॥ उ ॥ व ॥ पु ॥
 य ॥ न ॥ स ॥ ह ॥ उ ॥ रु ॥ व ॥ ति ॥ ॥ ग ॥ म ॥ उ ॥ द ॥ क ॥ ॥ ग ॥ म ॥ उ ॥ द ॥ क ॥ ॥ ॥ म ॥ अ ॥ न ॥ ॥ अ ॥ व ॥ पु ॥ पु ॥ व ॥ पु ॥ य ॥ न ॥ स ॥ ह ॥
 रु ॥ व ॥ ति ॥ ॥ त ॥ व ॥ पु ॥ ॥ ॥ त ॥ व ॥ ॥ ॥ क ॥ वि ॥ द ॥ या ॥ ॥ अ ॥ व ॥ पु ॥ पु ॥ व ॥ पु ॥ य ॥ न ॥ स ॥ ह ॥ क ॥ वि ॥ द ॥ या ॥ न ॥ रु ॥ व ॥

ਘੁਗੁ ੨

विष्णुदेव १

[illegible][illegible]

द्रव्यकलत्रवर्णममं हस्त्यादयमाया मिश्रादीनामदूषणम् ॥ कचित्पुत्रवृत्तिः कचिदपुत्रवृत्तिः
 कचिद्विवाहा कचिदनायकविविधविधानं वदुषः समीक्ष्य वा उचिष्य वा कलत्रकवदनि
 वावर्गगमावर्गविवर्गयष्टुद्वौत्रायनौचर्गविकान्तराणां ॥ अथानुसूच्यति गणनं तथा
 गणनं दृष्ट्वा यश्च विधेति नृक ॥ वधुगमागवद्व्याप्तौ मिह वधुविवर्गयष्टु ॥ अथानुसूच्यति
 विकान्तराणां द्रव्यवर्गानां दृष्ट्वा दनम् ॥ वधुविकान्तराणां द्रव्यवर्गानां दृष्ट्वा दनम् ॥ अथानुसूच्यति
 द्रव्यवर्गानां दृष्ट्वा दनम् ॥ अथानुसूच्यति द्रव्यवर्गानां दृष्ट्वा दनम् ॥ अथानुसूच्यति द्रव्यवर्गानां दृष्ट्वा दनम् ॥

किं न हि तं वा उवर्हि तं वा र्थवच्च द्वा नृप्यं नाभा चरा ॥ कुरु द्वितममासा श्रयाति यदिकर्म सुंति
 कवित्तममात् ॥ सिउ जस जस जस जस जस टा र्था र्थि सु कर्था र्थि सु कर्था र्थि सु कर्था र्थि सु कर्था
 स जस दिउ जस मय ॥ तस्मान्नाम नृप्यं नृप्यं नृप्यं नृप्यं नृप्यं नृप्यं नृप्यं नृप्यं नृप्यं नृप्यं नृप्यं
 र्थमार्थे कल विवका र्थि यथमेकवचन ॥ यवमि नृति स्मिन् ॥ नृका नृद द्वा नृप्यं र्थ ॥
 धा विमर्श ॥ सका नृप्यं र्थ विमर्शनी याथ ॥ नृप्यं र्थ नृप्यं र्थ नृप्यं र्थ नृप्यं र्थ नृप्यं र्थ नृप्यं र्थ
 द्विल विवका र्थि ॥ उ उ उ ॥ यव ॥ वदल विवका र्थि वदल वचन ॥ यव जस नृ
 ति स्मिन् ॥ नृका नृप्यं र्थ नृका नृप्यं र्थ ॥ यव जस नृप्यं र्थ ॥ यव जस नृप्यं र्थ ॥ यव जस नृप्यं र्थ ॥

॥ मित्र ॥ द्वितीय ॥ त्रयं तृतीय ॥ उरुगवा निरुद्धि वयना नृ ॥ उरु २ ॥ उरुगवा २ ॥ उरुगवा २ ॥
 उरुगवा दृष्टा द्विचयना रावाधक वचन वद वचन वद वत ॥ उरुगवा १ ॥ उरुगवा १ ॥ उरुगवा १ ॥
 उरुगवा ॥ उरुगवा ॥ उरुगवा १ ॥ उरुगवा १ ॥ उरुगवा १ ॥ उरुगवा १ ॥ उरुगवा १ ॥ उरुगवा १ ॥
 उरुगवा ॥ उरुगवा १ ॥ उरुगवा १ ॥ उरुगवा १ ॥ ॥ अकावाका मास गद ॥ मास गद ॥ मास गद ॥
 ॥ मास गद ॥ मास गद ॥ मास गद ॥ मास गद ॥ मास गद ॥ मास गद ॥ मास गद ॥ मास गद ॥
 मास गद ॥ मास गद ॥ मास गद ॥ मास गद ॥ मास गद ॥ मास गद ॥ मास गद ॥ मास गद ॥
 ॥ मास गद ॥ मास गद ॥ मास गद ॥ मास गद ॥ मास गद ॥ मास गद ॥ मास गद ॥ मास गद ॥

[illegible]

न

रुवति॥ अया दण॥ रुवय॥ (धे) ॥ कावानुकावानुकाविविषयनकावडाकावधु॥
 रुवति॥ रुव॥ रुवनी॥ रुवय॥ रुवि॥ रुवी॥ रुवीन॥ टता॥ रुय्या॥ कावानु
 दूकावानु रुवयता रुवयमि॥ रुवि॥ रुविशं रुविशे॥ रुति॥ कावानु
 रुकावानु रुतिथनकावडाकावधु रुवति॥ रुवय॥ रुविश्या॥ रुविश॥ रुसि
 रुभावन॥ रुथा रुथायन रुसि रुभावनकावधु लाथा रुवति॥ रुव॥ रुविश्या॥ रुवि
 रुथा॥ रुव॥ रुथा॥ रुवी॥ रुवीति॥ रुदूथायन रुवति॥ रुवति॥ रुवति॥
 रुति॥ रुतिथनकावधु रुवति॥ रुवी॥ रुथा॥ रुवि॥ रुव॥ अग्निगिनिववि

१७

१८

कविषरुतयशाडकावानुकाविविषयनकावधु रुवति॥ रुवय॥ रुविश्या॥ रुविश॥ रुसि
 रुभावन॥ रुथा रुथायन रुसि रुभावनकावधु लाथा रुवति॥ रुव॥ रुविश्या॥ रुवि
 रुथा॥ रुव॥ रुथा॥ रुवी॥ रुवीति॥ रुदूथायन रुवति॥ रुवति॥ रुवति॥
 रुति॥ रुतिथनकावधु रुवति॥ रुवी॥ रुथा॥ रुवि॥ रुव॥ अग्निगिनिववि
 रुवति॥ रुवय॥ रुविश्या॥ रुविश॥ रुसि
 रुभावन॥ रुथा रुथायन रुसि रुभावनकावधु लाथा रुवति॥ रुव॥ रुविश्या॥ रुवि
 रुथा॥ रुव॥ रुथा॥ रुवी॥ रुवीति॥ रुदूथायन रुवति॥ रुवति॥ रुवति॥
 रुति॥ रुतिथनकावधु रुवति॥ रुवी॥ रुथा॥ रुवि॥ रुव॥ अग्निगिनिववि

न

द्वन्द्वसि॥सखाया॥सखायः॥सखायं॥सखायो॥सखीतु॥सखियथात्रीकु॥सखियतिगद्यथा
 व्रीमगभाकवति॥ठाठठिसूयत्रत॥दीर्घत्वात्तानकवति॥सखा॥यथा॥सखासखियति
 सखियः॥आगममडमनित्यं॥सखिना॥यतिना॥सखिया॥सखियः॥सख्यः॥सखियतिग
 द्यथासगभाकवति॥कसिठभाठकावयनं॥सख्युजुमुन्तिस्मिन्॥सताठड॥सख
 कानाकावयनस्यठसिठभाठकावयनडकावायनस्यठवति॥सखडि॥सखा॥सखिड
 यी॥सखियः॥सख्युः॥सख्याः॥सखीनी॥सकभाकवयनं॥क्रीडित्योकावकृतस
 खियथात्रीगितिनीगमम॥सख्यु॥सख्याः॥सखियु॥यतिगद्यथयमाद्विती

१६

१७

यथाद्विध॥यक्रिया॥तृतीयाथोसखिवद्वक्यः॥यतिनसमासवसखिवद्वक्यभासं
 त॥समासानस्यनादथारुवन्ति॥यजायतिनायजायतथ॥यजायतथ॥यजायमी॥न्त्वा
 दि॥दिग्वानिर्वादिवचनान्क॥दिडोन्तिस्मिन्॥यदायद्वनस्याथो॥यदायद्वनकावोरुवति
 स्यादोयनं॥द्वो२॥द्वार्था३॥द्वया४२॥विग्वानिर्वावद्ववचनान्क॥विडसन्तिस्मिन्॥वडाउ
 सीथोकावकृत॥अथायन॥अय॥गीत॥विलि॥वित्य॥वययद्व॥विग्वस्यअयदाथन
 रुवतिनामिथय॥द्विदन्तस्यवक्य॥अथायन॥विषू॥कतिग्वानिर्वावद्ववचनान्क॥क
 तिग्वानिर्वावद्वक्य॥अथायन॥विषू॥कति२॥कतिरि४॥कतिथ३२

स

हर्षा॥ वक्रहरि॥ ॐ ह्यादि॥ नर्व अर्थमि॥ अर्थमि॥ अर्थमर्था॥ अर्थमरि॥ अर्थमि॥
युक्ता॥ युक्ता॥ युक्ता॥ युक्ता॥ युक्ता॥ ॐ ह्यादि॥ संख्या॥ द्या॥ यज्ञन युक्त आः
वक्रवचना नास्ति युक्तव्या॥ यज्ञन जमः तिष्ठति॥ जलसाल्पक॥ यकावनकाः
वानसंख्यायाः यत्रथा जलसाल्पकवति॥ लुकिनतं निमित्तं॥ यज्ञ॥ २॥ यज्ञरि॥
यज्ञरि॥ २॥ यज्ञ॥ यकावनका वानसंख्यायाः यत्रथा मानुजगमा रुवति॥ नायधायः
तिष्ठति॥ नाम्नाभालायण (घो)॥ यज्ञनी॥ यज्ञसू॥ नर्वसकन नवनवगन युक्तय

२८

२८

॥ अष्टनां उवा॥ अष्टनगद्या यत्रथा जलसाल्पक रुवति॥ तिलादि लाय॥ अष्टो
॥ अष्ट॥ २॥ वाम॥ वा अ अम॥ अष्टन अमयनासु विरुकि ययवता वा अल रुवति॥ अ
रि॥ अरि॥ अरि॥ अरि॥ २॥ अष्टनी॥ अष्टाम॥ अष्टसू॥ मका वानकः दम
गव्याः दमार्थं र्मि॥ दमगव्या र्मि विषय अर्थ रुवति सोयत्र॥ अर्थ॥ द्विवचनादी
उत्पद्यते यत्रथा दारिद्र्यकाव॥ दडोः तिष्ठति॥ दसम॥ द्यादीनां दकानस्यम
नं रुवति सोयत्र॥ ॐ मी॥ ॐ म॥ सर्वदित्वा कुमी॥ द्यादीनां धन रुव॥ ॐ मी॥ ॐ
मी॥ ॐ मान्॥ अतटीमा॥ दमा इना द (ग) रुवति टीमा यत्रथा॥ अतन॥ द्या॥

ॐ दसः सकारं रुका प्रथमं अकाराद्यं ॥ रुवति कस्य स्या ॥ अहीथान्नं ॥ अर्थी ॥ किं हिम् ॥
ॐ दसमसि सिमिव रुवति ॥ नरुका नस्या कार ॥ नमि वदन् ॥ नलि ॥ अस्मि ॥ अर्थी ॥
नय ॥ अस्मा ॥ अर्थी ॥ नय ॥ अस्मा ॥ अनथा ॥ नय ॥ अस्मिन् ॥ अनथा ॥ नय ॥ किम् ॥
दस्य रुदादयः सर्वग कार ॥ सर्वग देवद्वयं नय ॥ कः को ॥ कः ॥ कः ॥ कः ॥ कान् ॥ कन ॥ कार्या
॥ कः ॥ अर्थी ॥ ॥ धकारान्तं सुल्लवृध्णद्वयं ॥ तस्य वस यथा नृवादि उवा नामि निरुका
न ॥ वावसानं ॥ तल्ल उ ॥ तल्ल उ ॥ तल्ल वृध्ण ॥ तल्ल वृध्ण ॥ तल्ल वृध्ण ॥ तल्ल वृध्ण ॥ तल्ल वृध्ण ॥
॥ तल्ल वृध्ण ॥ तल्ल उ ॥ तल्ल उ ॥ तल्ल वृध्ण ॥ ॥ अर्थी ॥ ॥ रुका वान्तः स्यात् ॥

[illegible]

天

[illegible]

7.

30

रुवति॥क्षतामसयननामध्वनमयदानक॥यथासंख्यं॥यथ॥यथ॥यथ॥यथ॥
 हयथ॥यथ॥यथ॥यथ॥यथ॥यथ॥यथ॥यथ॥यथ॥यथ॥यथ॥यथ॥यथ॥यथ॥
 साधोस्वयनतद्विज्ञानिन्काव॥यथ॥यथ॥यथ॥यथ॥यथ॥यथ॥यथ॥यथ॥यथ॥
 ॥तिथि॥तिथि॥तिथि॥तिथि॥तिथि॥तिथि॥तिथि॥तिथि॥तिथि॥तिथि॥
 ॥तिथि॥तिथि॥तिथि॥तिथि॥तिथि॥तिथि॥तिथि॥तिथि॥तिथि॥तिथि॥
 तकावानामनूक्त॥मनू॥मनू॥मनू॥मनू॥मनू॥मनू॥मनू॥मनू॥मनू॥मनू॥
 तकावानामनूक्त॥मनू॥मनू॥मनू॥मनू॥मनू॥मनू॥मनू॥मनू॥मनू॥मनू॥

कानान्तर्यमृगद्वयार्थसामुद्राण्यमृगद्वयस्यसुखसुखदण्डवतिदकावागुत्थाय
 नार्थः॥ उकात्रानुमिधानाथः॥ सुत्रयः॥ अनुवाचस्यसुत्रयमकावागुत्थाय
 ॥ यमसमितिस्मृतः॥ वृत्तानुस॥ नमस्तुताइधोदीर्घः॥ गोत्रः॥ संथागनकस्यलायः॥
 यमान्॥ यमंसी॥ यमंमः॥ हयमेन॥ यमंसी॥ यमंसी॥ यमंसी॥ यमंसी॥ यमंसी॥ संथागनकस्यला
 यः॥ यमंसी॥ यमंमः॥ असेरुवयसः॥ असेरुवयसः॥ असेरुवयसः॥ असेरुवयसः॥ असेरुवयसः॥
 रुद्रयथुयमृगद्वयकगगभोरुवति॥ अतिसुयिष्यमंअकानडद्यानार्थः॥ अतः कव
 संथागनकः॥ यमं॥ नर्वविद्यान॥ विद्वंसी॥ विद्वंसः॥ हविद्वन्॥ विद्वंसी॥ विद्वंसि॥ वसाव

३२

३२

उमा॥ वसा॥ समन्धीवकात्रडलंयात्राति॥ गमाद्योसुत्रयः॥ तद्वितः॥ यीकात्रच॥ विद्व
 ॥ विद्वंसी॥ वमंमः॥ विद्वंसी॥ विद्वंसी॥ विद्वंसी॥ विद्वंसी॥ विद्वंसी॥ विद्वंसी॥ विद्वंसी॥
 अन्तामः॥ साकितिदीर्घः॥ सुवचः॥ सुवचमी॥ सुवचमः॥ हसुवचः॥ सुवचमी॥ सुवच
 सी॥ सुवचमः॥ सुवचमः॥ अर्विमर्गः॥ हवः॥ सुवचस्यमिषादिः॥ नर्वचलुसमृग
 द्वयः॥ उगनमृगद्वयः॥ उगनमः॥ उगनमयुवर्धनमृगनहमः॥ हतर्धः॥ सवध
 रुवति॥ उतादिनायः॥ उगना॥ उगनमी॥ उगनमः॥ हउगनः॥ उगनमाधोना
 कतामानतायनद्ववावकथा॥ हउगन॥ हउगनः॥ हउगनमी॥ हउगनमः॥

दस्यदाः सिमहितथाह्वं अरुं ॥ यथावा दल ॥ रुवत ॥ यथासंख्यता ॥ च ॥ अरुं ॥ युवा
 मोदिवचनं ॥ युष्मदस्यदादिवचनं यन युवम् ॥ यथावा दल ॥ रुवत ॥ अरुं
 मो ॥ युष्मदस्यदाः यन उ ॥ अम रुवति ॥ युवा ॥ अवा ॥ युयं वर्यं उ ॥ अमासहि
 तथार्युष्मदस्यदा युयं वर्यं ॥ यथावा दल ॥ रुवत ॥ युयं ॥ वर्यं ॥ नमदकले ॥
 युष्मदस्यदाह्वं म ॥ यथावा दल ॥ रुवत ॥ रुकले गमुमान ॥ अमो ॥ युष्म
 दस्यदाह्वं रुवत्यमिसका नरिसिचयन ॥ लंमं ॥ युवा ॥ अवा ॥ यादह्वं वर्यं कतग
 सीतिदीर्घं ॥ नल्यनावक ॥ युष्मान् ॥ अस्मान् ॥ नमदादल ॥ कतह्वं वकाव ॥

य

३ १

३१

नटाद्याः ॥ युष्मदस्यदाह्वं वर्यं रुवति ठाकि ॥ यथावा दल ॥ रुवत ॥ यथा ॥ अवा ॥ अवा ॥
 अवा ॥ युष्मारि ॥ अस्मारि ॥ रुयं मर्द्धं दया ॥ रुमहि तथार्युष्मदस्यदा रुयं मर्द्धं
 ॥ यथावा दल ॥ रुवत ॥ रुयं ॥ मर्द्धं ॥ युवा ॥ अवा ॥ अवा ॥ युष्मदस्यदाह्वं वर्यं
 यो ॥ रुयं मर्द्धं रुवति ॥ सका नारुका नादिलव्या वृथथ ॥ तनाले नरुवत ॥ युष्मर्था ॥ अरु
 मर्था ॥ रुमिथमा ॥ रु ॥ युष्मदस्यदाह्वं रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥
 रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥
 रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥
 रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥ रुमिथमा ॥

घा

याशासवदिनासुठ॥सामार्क॥युष्मदसमथा॥यत्रसाम्भार्कवति॥युष्मार्क॥युष्मार्क॥न
थि॥मथि॥युवथा॥आवथा॥युष्मासू॥जुष्मासू॥अथेतथावाद्यनविलग्नविधि॥युष्म
दसमथा॥षष्ठीचतुर्थीद्वितीयाहिसुभर्वानोवमनमी॥युष्मदसमथा॥यथासंस्तुनामीआथ
गावन्ति॥कीदृशथा॥षष्ठीचतुर्थीद्वितीयासहितथा॥तथेकवचननमहत्तमवत॥वि
वचनंवातो॥वदवचनंवमनमी॥स्वामीभमसमायात॥स्वामीभमसंयुतंगत॥नमस्क
रुगवन्दवद्विभभादमयर्थ॥स्वामीवीसजडाभावेदृष्टानोदानथावनी॥वाजावी
यासुभदानदानंनोमधुसूदन॥दवावामवताद्विष्णुनेवकानोऊनादन॥स्वामीवा

३७

३८

वलवानोआस्वामीभमोजनार्दन॥नमावावुक्कविष्णुथास्तुनंनदीयताधनं॥सानद्याव
॥ययग्राम॥यग्रामानं॥सूदु॥खितन॥स्वामामा॥जुमामहितथार्युष्मदा॥वामा
यतावाद्यलोवत॥यग्रामित्वामयानीटंयग्रामामदहदकं॥नाथो॥यादाथोवक्तुमा
नथायुष्मदसमथानेतआद्यगावन्ति॥तवथंगुवावाऊममतयग्रानिगुव॥स
माधनयदा॥ग्रनरुवन्तिवमादय॥वादिहियु॥वादिहियथिथानेतआद्यगावन्ति
वन्ति॥वादिर्नियत॥वादिवयुथीनियतसंरुवति॥वा॥वा॥जु॥ह॥दि॥नुव॥नुव
॥तूर्न॥युथक्॥यिवा॥नाना॥सक्ति॥आमि॥थावा॥नकं॥मृथा॥मिथु॥मिथुम्॥

धावक शशावाली ॥ पुनी ॥ कली ॥ हली ॥ डीयगनी ॥ ॥ यथालायशा ॥ अथयशातय
 लाथारुवति ॥ सवयकात्रयय ॥ द्वितहा ॥ अकावटकावडकावपुकावानुवध्वत्रि
 यामीयथयथारुवति ॥ अथवाकी ॥ टकनवनी ॥ डगमती ॥ मरुवनी ॥ यथकी ॥
 थादिहा ॥ नदादहा ॥ नदादगर्ज ॥ अथामीयथयथारुवति ॥ नदी ॥ लोवी ॥ लोतमी ॥
 वरुथी ॥ यथमी ॥ यीवनी ॥ नवनी ॥ ॥ थादिहा ॥ ॥ दादवापीया ॥ ॥ दापी ॥ रुवापी ॥ न
 दापी ॥ ॥ ॥ अमादाप्रयुप ॥ ॥ यथी ॥ यथागदा ॥ यथी ॥ गेपकी ॥ चकावा ॥ ॥ अ
 थालिकाथोन ॥ जातवथायधो ॥ जातिवाचिमा ॥ यका ॥ यथयका ॥ यका ॥ यका ॥ अथय

मीयथयथारुवति ॥ मथी ॥ मरिथी ॥ अकनी ॥ हमी ॥ ककुठी ॥ वादनी ॥ अथकात्रय
 अथह ॥ गादगिया ॥ वेअ ॥ यथनवथावाचिना ॥ तनीयवकशशाकमात्री ॥ कि
 लनी ॥ कलनी ॥ यथतयशा ॥ यथमयह ॥ ॥ दृष्टासुविनी ॥ अथरुपकिपु ॥ अ
 मादा ॥ अमादाचिनावाचिनामीयथयथारुवति ॥ मृमुखी ॥ मृगकी ॥ तननी ॥ वा
 यरुपाययवदनी ॥ कल्यानका ॥ ॥ किणलशकनी ॥ मृगालउजा ॥ अथरुपकाथ
 न ॥ कथिकावा ॥ कनीयवावकनीयवावकशशा ॥ अमुली ॥ अमुनिहा ॥ धुली ॥ धु
 लिहा ॥ अजी ॥ अजिहा ॥ अकविनिविनेम ॥ अकति ॥ तिहा ॥ चवमनाथ ॥ मनाथ

क

नृणां ७ सुधामी सुखयारुवति ॥ जका नाद गच्छ ॥ मनायी ॥ वृषाकयायी ॥ वका ॥
 नान्ननावीवा ॥ मनाधो ॥ मनूशा ॥ अग्रहो ॥ अग्रयी ॥ कृगितायी ॥ यत्ना दय ॥
 गद्वानियायक ॥ यत्नी ॥ अकृवृत्नी ॥ अर्द्धश्रवती ॥ अग्निक्री ॥ सखी ॥ यवती ॥ य
 तीया दय ॥ दावगद्वानित्यवकृवचनाक ॥ धूलि ॥ ॥ वायुना ॥ ७ ॥ उकाग
 नाद्रुपवाचिनावा सुध्यां ॥ सुखयारुवति ॥ यद्वी ॥ यद्वी ॥ मृद्वी ॥ मृद्वी ॥ तन्वी ॥
 तनूशा ॥ मदी ॥ मदी ॥ ॥ ७ ॥ उकाग ॥ उकाग ॥ नाद सुखयारुवति सुध्यां ॥ यद्वी ॥ वाभा
 ॥ ॥ यूनसि ॥ यवति ॥ नशा ॥ नामलास्यादय ॥ आवका दय ॥ तिमिलाय

४२

४२

शास्त्रीवका द्धमय ॥ शलाय ॥ यववद्वयनय ॥ ॥ तिस्त्री यल्यय ॥ ॥ अथ विरुक्
 लोति नृयत ॥ लिङ्ग ॥ यथमा ॥ अथ यथमा ॥ तिक्क मथवद्वयनय ॥ लिङ्ग ॥ तथ
 वा ॥ यथमा ॥ यथमा विरुकि ॥ इवति ॥ लिङ्ग ॥ दयायि यथमा ॥ तिक्क दि ॥ ॥
 सत्सद् ॥ नविनिवना जतनाजा ॥ नायाकुमावी नावृयत ॥ वा ॥ उयत ॥ उवद्वयान
 शायागमर्मा नामलद्वा ॥ ॥ सन्नि सन् ॥ कियन् ॥ कुमावा ॥ ॥ वगस्येन ॥ नावृयेन ॥
 मावका ॥ अगीयन् ॥ वगीत ॥ ममियन् ॥ नृजानिना ॥ ॥ आमन् ॥ ॥ अहि
 मूखीकन ॥ ॥ यथमा विरुकि ॥ इवति ॥ मांसद्वय ॥ ॥ विन्दु ॥ यसी दयवम

अ

इवप्रियलतया नृपलतया वा विवदितसु गायानं यश्मी ॥ धावता इव दयता ॥ हृत्तं अ
 वत प्रतिगच्छा ॥ सर्वध्वज ॥ सवाहः ययुषाह ययिवावत नृपुजनी ॥ सुवर्णवचनं यथ
 कवीनां वसवद्वय ॥ आधाय सकमी ॥ आधाय मधिकवर्ण ॥ यद्विधमधिकवर्ण ॥ डोयलस
 धिक ॥ मारीयिक ॥ मूरिआयिक ॥ वेधयिक ॥ नेमिलिक ॥ डोयवाविकं प्रति ॥ कठलत
 कमात्रासी वटगावः मूलवर्ण ॥ तिलवृद्धिप्रतर्लहयिज्ञातामर्तयव ॥ यद्धमने प्रत
 धीया ॥ गुल्याय कर्णगता ॥ रावः कियालक्षणां तगायिसकमी ॥ वधतिथवृक्षीय आयातशा यराउ
 र्थगुमालिनिप्रतिताप्रति ॥ विनासक वममगतिर्द्विजलसाम्यादिप्र ॥ चितप्रयिथा ॥ गद्वितीया

४४

४४

आविकथारुवन्ति ॥ विनायार्थमर्द्धरुलति ॥ अन्तवर्णद्विणीकिंजीवितन ॥ अन्तवा
 धाविरुक्कथारुवन्ति ॥ त्वीमां ॥ मध्वियादियवाहु ॥ अ ॥ सहसहर्णमार्कसार्द्धसर्मथा
 तगृतीया ॥ सहनिष्ठागतागुवृ ॥ सहगलेणमगुण ॥ सार्कनयनायां लक्षा य
 ता ॥ सार्द्धधनिरिद्धतामाधु ॥ मर्मवन्द्यलसदितागुवृ ॥ ॥ नमः स्वमिस्राहास्वधा
 इलं प्रयथा ॥ गवदुथी ॥ नमानावायथा ॥ मस्तिनाह ॥ सामायसाहा ॥ यिगृयः स्वधा
 ॥ अलंमलामलाय ॥ वधतिद्धय ॥ मतथा ॥ गयकुमी ॥ मतज्ञानानमूकिशा ॥ अवागृहा
 द्विहावः ॥ निहवर्णवकी ॥ निहवर्णकियागुणजातिरिहा ॥ ममदायास्युथ कवर्णत

६

गवशी॥ क्रियायत्राणां रगवदावापकः (पृष्ठः) गवां कृष्णा गोश्मयनकीना॥ न
तथांशुवतमः करिया॥ ॥ स्वाश्यादिथा (गवशी) सधुमीच॥ गवांस्वामी गवा
मधियति॥ कर्तृविकार्यथात्रकादी कर्तृवशी॥ कर्तृकाश्रय वशी रुवति कादिव
क्षित कृदन्तर्गदययुजमान॥ श्यामस्य कर्तिः श्यामस्य गवर्ण॥ स्मृतो वकाश्रय वशी
माउः समवति॥ मातवं समवति॥ हसो गृतीया यश्च मीचवकथा॥ अनिस्य ४ गदः कतः
कलन कत कला॥ लयहसो यश्च मी॥ श्रीवादि रति॥ द्या द्या रुस्यति॥ वशी रुउय
आ (ग)॥ कस्य हसो विर्य कन्या॥ ॥ हसो राव गृतीया॥ निष्ठां यूपं ययति॥ संसा नः

४५

४५

मसानल ययति॥ यना इदिकानः॥ यना इना इना इदिकानालं द्रुत दसाव
द्रुत गृतीया विरुकि रुवति॥ शुक्ला काणः॥ वायन स्य ४४॥ जनिक कू ४ य कति
॥ कायमानस्य काश्रया यादानं मयादानं रू रुवति॥ नगायादानं यश्च मी
॥ यस्मा च्छुजा ४ यजायकं तद्वक्षति॥ श्रीकादिथा (गव)॥ आयाट लिथूरा दृष्टा यः
वशाताय (शुचि) रुथी विकथा॥ सयमाय प्रतं धनन वाध मयि सयमः॥ धर्ममा
कायमधावीधनं दानाय उक्तं॥ ॥ कृद्वादिथा (गव)॥ कवाय कृद्वाति॥ मिश्रय
कृद्वाति॥ शुणयत असूयति॥ कृद्वाय यश्च मीचवकथा॥ हसो च्छुत॥ निमिला

शु

न शुभ्र॥ मिथुनमधिकृत्य रुदतीति विग्रहः॥ अन्वयथाग्राधर्ममर्थकशापदमसुदायाविग्र
 हावाकर्मिणियावजाकृतसमाप्तयस्ययुवेनियानावकवृष्टा॥ युवेऽवयवऽवयवीरुवशा
 अयुथयुवेययमतिथाऽन्वयऽभावायवीरुवर्मकृतऽसमाप्तारुवति॥ ॐ तिसमाप्तमर्मका
 यी॥ समाप्तयययथा॥ समाप्तवर्कमानायाविरुक्तयययययययल्लुवति॥ ॐ तिसमाप्त
 ल्लुका॥ नामसंज्ञयांसादिद्विरुक्तिः॥ अधिभूमिः ॐ तिसमि॥ मनर्थमदी॥ सावयवी
 रुवातयमकलि॥ रुवति॥ नर्थमकलाद्वसन्ती॥ अयवीरुवातयवसादिविरुक्त
 ल्लुवति॥ अधिभूमिगृहकार्यं॥ नायमतिकान्तमतिविकृतं॥ नावमतिकान्तम

४१

४०

तिनृजलं॥ कसादणसंज्ञकवापमिकावाकवोवकवो॥ यथासादण्य॥ यथाग
 द्याऽसादण्यवर्कमानऽसमस्त॥ गकिमनरिक्तमाकमातीति यथागकि॥ अता
 ३मनरा॥ अकावाकादयवीरुवातयवसादिविरुक्तवमुवति॥ अतवर्कयित्वा
 ॥ कसुस्यसमीपं डयकसुमर्त॥ डयकसुमर्त॥ वाटाश्रा॥ टाकि ॐ तिसमाप्तमर्मका
 ति॥ डयकसुमर्त॥ डयकसुमर्त॥ डयकसुमर्त॥ डयकसुमर्त॥ अतवर्कयित्वा
 विणयणा ॐ तिसमाप्तमर्मका॥ डयकसुमर्त॥ अतवर्कयित्वा
 वक्तुमन्तानितावतावाकपानामन्तयस्यतिथावदमन्तुमामन्तयस्य॥ मद्रिकानाम

३

कावातिमोदिकं वर्तत ॥ अमाद्योतत्पुनः ॥ द्वितीयां शक्त्युर्वयस्य सति तत्पुनः
संज्ञिकं ॥ समासां रुवति ॥ ग्रामं या कायमप्राक ॥ यागुण्यनिर्ण ॥ यागुनिर्ण ॥ युयायु
दानयुयदान ॥ वृकथारुयं वृकथारुयं ॥ माह ॥ युनूभा नाजयुनूय ॥ अकृषु
पु ॥ अकृषु पु ॥ कविदमा इन्द्रस्य नर्त्त ॥ अद्वितामि ॥ रतयुर्वे ॥ समासक
विदेक यद्यनल्ल ॥ पु ॥ गवर्ण ॥ अमुवर्ण ॥ यानस्यवा ॥ सूत्रायणी ॥ सूत्रायानी ॥
नशि ॥ नशि युर्वयस्य सति तत्पुनः ॥ नवाक ॥ अवाक ॥ ना ॥ समा
ससतिन ॥ इकावाथ ॥ रुवति ॥ नाकादिदर्ज ॥ अन्तर्न ॥ समाससतिन ॥ अम

४२

४६

नाथ ॥ रुवति स्वयं यत्र ॥ अग्नायना ॥ इन्द्र ॥ धर्मविनूद्वा ॥ धर्म ॥ ग्रहण ॥ कावा ॥
ग्रहणमिति ॥ तदनुगतद्विबुद्धवतदकावन ॥ रुवर्तत ॥ वा ॥ ध्व ॥ समुच्चया
नात्रयं नत्रयं गममाहावा ॥ अर्थ ॥ तगुण्यं गुर्वचरु ॥ अस्वति यथकमकक्रियासम
धमसमूचयसमासां नास्ति ॥ वटारिद्रामह ॥ अन्तर्न ॥ कर्मण क्रियाद्वयं सम ॥ अन्ता
वयवसमासां नास्ति ॥ यत्रयत्रमसम ॥ अन्तर्न ॥ तत्रतत्रय ॥ गममाहावनववा ॥ ध्व ॥
समासारुवति ॥ ध्व ॥ इन्द्रस्य नर्त्त ॥ कामानां युर्वेनियतावका ॥ यद्व्यगु
कथयद्वगुको ॥ उकाथ ॥ अमयथाग ॥ अग्निश्चमानूत ॥ अग्निमानूतो ॥ एका

२५

सविमनतिनयः प्रसोका किलप्रयुक्ता किल॥ यंसखयसंथागारलाधावकवा
 ॥ नानाप्रकृतासमासः॥ यादयममस्यनामप्रकृदन्तमहसमासस्तयुवधारु
 वति॥ यथायः॥ कृष्णकावः॥ सहायः॥ सादिः॥ ममाससिसहायीनासादिहवति
 ॥ मयुगः॥ सञ्जुः॥ समुद्रः॥ तिष्ठति॥ कस्मिन्तच्छब्दार्थः॥ कामोयुवधकदादयः॥ क
 स्मिन्तार्थकदन्ती॥ वीषदर्थकदूर्ध्व॥ काष्ठी॥ कवाष्ठी॥ यूनः॥ कस्मिन्तकालवर्तनी॥ यून
 धवा॥ कायुवधः॥ कयुवधः॥ दन्तस्यदन्तः॥ भाउ॥ भाउण॥ भाउ॥ प्रयउर्त्वा॥ दन्त
 दन्तस्यसूयनवृद्धनययदहर्त्वा॥ वृहस्यतिशामहस्वः॥ आवाहसी॥ प्र

२१

२१

कतिगः॥ यः॥ अलकविः॥ कविः॥ समासकृततद्धितधिविरुक्कवलरुवति॥ कृष्ण
 न्मकः॥ काकान्मकः॥ अयुथानिनशययुथानिशाडनमिलाभा॥ रुदिस्युकाक
 ॥ कालः॥ वाचायुकिषादि॥ दण्डः॥ यग्रभाडनः॥ त्यादि॥ गायकवाथिवादीनामिधु
 यदलाधावकवाः॥ गायकविशः॥ यार्थिवः॥ गायकवाथिवः॥ दवः॥ युजकावाङ्मणः॥ दवा
 नाथियः॥ तिमूखः॥ आथप्रदन्तः॥ दन्तसमासकविदादिप्रदन्तलाधारवति॥ चका
 नादिकल्पः॥ तिकविः॥ माताप्रयिताप्रयितनी॥ अग्रप्रग्रमग्रप्रग्रमग्रो॥ दृष्टिताच
 यूगप्रयुगी॥ मतादन्तः॥ दन्तसमासप्रवृत्तयदस्यमकानस्याकावायः॥ रुवति॥ मा

५

[illegible]

52

५२

[illegible]

न

कृष्णमनत्रकं वरुं को कृष्णमं वरुं ॥ मधुवाया अगता माधुवशा ॥ अर्था रुवा मासा ॥ धुर्ववह
तीति प्रोत्रय ॥ धुर्वशा कनथकाशा कलीन ॥ य ॥ क ॥ यत ययया रुवीना ॥ रु
वाद्यर्थमृगित्व ॥ प्रोवीकलिक ॥ कधुठ रुवशा काधुठक ॥ कधुठका ॥ अ
मादागतसुगतावाग्रमीण ॥ असा ॥ सधीचीन ॥ तिबधीन ॥ यलायथा ॥ कन
यारुव ॥ कोनीन ॥ धीमीन ॥ ॥ थावा ॥ कण रुवशा ॥ कणिय ॥ काय ॥ धुकिथ ॥
॥ द्विथ ॥ आदिक ॥ ॥ द्विक ॥ ॥ वद रुवा ॥ वेदिकी क्रिया ता ॥ क्रिक ॥ यतनी ॥
किमाथ नद्याथ ॥ वाद्यर्थयतनी ययथी रुवतशा ॥ कण रुवशा ॥ कण रुवशा ॥

५४

५४

तययशा ॥ अद्यतन ॥ सदातन ॥ अमन ॥ अर्थयि ॥ ड का ॥ ययया ॥ स्वा ॥ यि रुवति
॥ दवदक नुवदवदक ॥ चन्वाव नुववधु ॥ चो रुवधु ॥ चो नुवचीन ॥
अणीनथार्थमदसदासूयकाक्षित ॥ तावकी ॥ मामकी ॥ तावकीन ॥ मामकीन
॥ थीआक ॥ आसाक ॥ थीआकीन ॥ आसाकीन ॥ वरुली ॥ अन्नामाद ॥ अर्थ
वन्ययथारुवति ॥ चद्ववमूर्ख ॥ दटवजा ॥ यटवजा ॥ रावतत्वयण ॥ गद्वसयव
लिनिमित्त रावसुमिन राव इर्थतत्वयण ॥ यतययया रुवति ॥ वाक्कणस्य रावी
वाक्कणता ॥ समाह्वनता चयुणध ॥ यता ॥ जनता ॥ ताकस्य निर्युली लिङ्गत्वोदा

四

॥यायीयान॥लघीद्यमी॥यायीयमी॥लघीद्य॥यायीद्य॥युवाद्यत्रिभुमयस्य
गत्राद्यिद्येलायय्या॥अतिगयनयुवर्नयीयान॥गत्रिद्य॥युवाद्योद्यगत्रि
मा॥यमाद्य॥ययान॥सुत्रिद्य॥सुवीयान॥लीलायाअगद्यायीयस॥अ
यान॥अद्य॥अतिगयनयदीर्घादीयान॥दोद्यद्य॥अतिगयनयुगस्य
॥ययान॥अद्य॥वक्षत्रिद्ययि॥वद्यिद्य॥किमाद्ययादाख्याताद्यतवतः
मथावाम्क॥कृतसुनी॥यत्रमाम्क॥कृतसुमी॥तद्यामावस्युक्त्या॥उ
द्यसुनी॥गयति॥यत्रतितनी॥यत्रतितमी॥यत्रतितनी॥यत्रतितनी॥यत्रतितनी॥

57

५११

यद्यादयशा जानूदघ्नजलं॥धुनूषमार्गं॥गिमाद्वयसं॥इथावैकुनां वैकस्यनिद्धो॥
वपकिमादित्या उतत्र उतमीवकश्चो॥कतमा रुवता॥क ॥कतमा रुवताता
निकशा रुवतायतनस्फाक्कि कस्तन उडुक्राउ॥संश्रयविग्नमावध्वानपि
गित्वा नीयशा द्वितीयशा गृह्मं यमावर्णगृतीयशा षड्वुत्राष्टशा षष्ठशा चउ
थशा कतिकतिययात्याशु॥कतिथ॥कतिययथशा यशुधर्मशा यशुमंशा नकाय
गाधु॥नकायगा॥द्वादशा॥द्वादशा॥गुथादगा॥शूद्रादगा॥विंशत्या
धुवतमद॥विंशतितम॥विंश॥विंशतम॥विंश॥गताधुनिर्त्यमगत

त्य

तमः॥संख्यायाः॥यकात्रया॥द्विधा॥त्रिधा॥चतुर्धा॥पुनश्च॥द्विधा॥त्रिधा॥च
 धी॥पञ्च॥क्रियायाः॥वाच्यताकृतम॥यजुवावा॥नितियजुव॥द्विरित्यसू॥
 द्विदूकं॥त्रिदूकं॥चक्राद॥गमो॥चक्रवा॥नितिवदू॥गो॥तया॥यदो॥संख्यायाः
 द्वितयी॥त्रितयी॥मुनि॥जद्वितयी॥त्रितयी॥द्वयी॥पयं॥उद्या॥गद्वा॥दति॥उव
 ला॥यथा॥त्रक॥श॥उद्या॥ल॥उद्या॥कत्रिक॥उद्या॥क॥श्री॥यमा॥न॥म॥
 ॥मृ॥गं॥यो॥म॥ग॥म॥निया॥श॥क॥या॥दय॥का॥सं॥ख्या॥य॥यं॥त॥क॥ति॥
 या॥स॥मा॥का॥ ॥मृ॥श॥या॥त॥य॥क्रिया॥नि॥वृ॥त्ता॥
 ॥धा॥ता॥॥व॥क्र॥मा॥॥य॥श॥या॥धा॥ता॥

१८

३८

स

कृया॥ला॥दि॥॥द॥स॥ता॥या॥मि॥था॥दि॥॥
 तम॥न॥य॥दी॥य॥न॥म॥य॥द॥॥य॥य॥दी॥य॥ति॥
 दित॥प्र॥धा॥ता॥वा॥दि॥था॥तम॥न॥य॥द॥रु॥व॥ति॥
 धा॥ता॥न॥रु॥जु॥तम॥न॥य॥द॥य॥न॥म॥य॥द॥रु॥व॥त॥॥
 ग॥मि॥थ॥न॥य॥न॥म॥य॥द॥॥य॥था॥क॥श्री॥
 द॥नु॥मा॥दा॥ता॥॥य॥न॥म॥य॥द॥रु॥व॥ति॥
 द॥नु॥य॥न॥म॥य॥द॥नि॥॥ति॥वा॥दी॥ना॥म॥
 या॥का॥ना॥मा॥द्या॥नि॥न॥च॥व॥न॥नि॥य॥न॥म॥य॥द॥रु॥व॥ति॥
 य॥वा॥॥तम॥न॥य॥द॥नि॥

म
म

॥वर्तमान॥तिव्रतसुश्रुति॥सिधुथसध॥सिधुवममम॥गश्रुतश्रुत॥सश्राथध्व
॥नवदमद॥यानव्या॥यविममायकिथीयनेदितश्चवर्तमानसामिचर्तमान
श्रुतिध्वथतिवाद्ययःयययारुवन्ति॥श्रुतिवाद्यःयापिनीयानानिधि
तिर्महा॥नामिचयुषादिवासादिचरागैःयथममधुभातमापिचयुषादि
नामादिषुयथधूमस्मृतिरिद्रागैःयथययारुवन्ति॥नामिचयुषादिमानच
द्यादयुयुधमानयिधुधमःयुन्यारुवति॥युषादिमधुमस्तथेवासाद्युक्तमः
॥कर्तव्ययुः॥यनमेयदकर्तविरुवति॥यकावादात्मनयदमयि॥तिरुः

५२

५३

वर्तमानयनमेयदिनाःद्विकवर्णतिवादथाथाश्रुत॥तथैकत्रविवदायांय
थमयुन्येकवचन॥रुतियःतिस्मिता॥यकावःयिन्कायार्थिशाश्रुक्तवि॥
प्राताययुयथारुवतिकर्तुविदितश्रुत्यादिषुचतुर्षुदियुयुन्ययवत
भायकात्रादिकवर्णरुदकायनाथशागुणः॥प्रातावनिदतसामिनायु
पारुवति॥श्रुवाद्यः॥रुवति॥द्वयविवदायाम्॥श्रुतितादिदि॥
यकावततादिकेष्टविद्यायानाःपयथादिसंज्ञारुवति॥किंयुसि॥कितिदिति
चयनप्रातागुणानरुवतिधुसंवर्जयिन्वा॥कतदिचयनाऽश्रुमिधयुुरुवतु

[illegible][illegible]

य

धीनियुआवडेयआमहय॥आथाययथेनीआणी॥यवसुआर्णमनवाधुय
नंयवतेनंततुउवायय॥येययोरुवनि॥नुषीसंज्ञालाटा॥उआसायानि
विवावकवा॥रुवउ॥रुवतादा॥रुवता॥रुवतु॥अततोअकानादुतन
सुहृहृउवति॥रुव॥रुवतादा॥रुवता॥रुवत॥रुवामि॥रुवाव॥रुवा
वा॥रुवामि॥आयुआनरुवउरुवान॥अधुयनाथायतारुवसीम्या॥अनश
तनतीता॥दियताअनीसियतंत॥अमियवम॥तनुअथअन॥थमअथध्व
॥ॐवदिमदि॥अनीतीथी॥नानयमिदयादवीकुआवकागमिनी॥यय

६१

मयामद्वयभायतनधातताइथाइनअतनशातसिन्नतीतकालदिवदथाउवनि
॥नुषीसंज्ञालटा॥दिसिमि॥ॐतथा॥कानउच्चनपथ॥वावसान॥ॐतिदका
नसुतकाव॥दिवयाव॥दिवदीयथधतानउगमारुवति॥अरुव॥अ
रुवता॥अरुवन॥अरुव॥अरुवनी॥अरुवता॥अरुवनी॥अरुवाव॥अ
रुवामि॥अरुवत्तत्यु॥ॐयादि॥वधवृद्धो॥अकानआत्मनयथाथ॥तत
॥यवापिनववचनानिधुव्ववदवादिदुथाग॥वधत॥आथाथ॥ॐ॥अका
वात्यनसुआतआथसंमन्निनअकानसु॥कावाथणीरुवति॥वधत

५

रुययदार्थः॥ अवादावीथितिस्मि॥ कुवः॥ युयथा रुवति॥ तका वसुका नमका
 वाथीथिति यन॥ अवाथीविषयगुणवाथे॥ ववीति॥ कृता॥ अवादीति य
 धीस्रव॥ अवातिवर्तमान॥ नृधाता॥ विकवणस्य नादीता॥ अवादीवर्तुथा वि
 युवोरुवतः॥ स्रवयन॥ अतकस्रवस्य संधागवृवस्य उद्योरुवतः॥ नानथा
 वः॥ अतथिवि अथडकावस्य वतन रुवति॥ कुवनि॥ ववीमि॥ कुथः॥ का
 थ॥ ववीमि॥ कुवः॥ कुमः॥ कृता॥ कुवाता॥ कुवता॥ कृषः॥ यात्मनयययि॥
 कुव आरुयय अनी॥ कुवडरुप्रयातिवादीनां य अनी गय अरुमु डमः॥

६४

६४

थय अथुमः॥ यात य अथ गुरुवनि॥ कुव आरुयय अनी॥ रुवनि॥ लका
 वावृद्युथः॥ आरु॥ आरु उ॥ आरु॥ तथ॥ अका नयन कुवा रुकानस्यतका
 वारुवति॥ आरु॥ आरुथुगविवीमि॥ कुवः॥ कुमः॥ विविमरुवनथा॥ कृया
 ॥ कृयाता॥ कृया॥ कृया॥ ॥ यादि॥ ववीता॥ ववीयाता॥ ववीवनिथोदि
 धाववीउ॥ कृता॥ कृता॥ कृवतु॥ कृति॥ कृता॥ कृता॥ कृता॥ कृता॥ ववानि॥ ववा
 वा॥ ववाम॥ कृता॥ कृता॥ कृता॥ कृता॥ कृता॥ कृता॥ कृता॥ कृता॥ कृता॥ कृता॥
 निथदि॥ अकृता॥ अकृता॥ अकृता॥ अकृता॥ अकृता॥ अकृता॥ अकृता॥ अकृता॥

Handwritten text in a script, likely a form of Indic script, on aged paper. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dark and appears to be a form of Devanagari or a related Indic script. The paper is yellowed and shows signs of wear, including creases and discoloration. The text is written in a cursive style, with some characters appearing to be ligatures or variations of standard characters. The overall appearance is that of an old manuscript or a collection of handwritten notes.

२५